<u>भाकृअनुप–भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान क्षेत्रीय केंद्र पालमपुर में जनजातीय उप–योजना के अंतर्गत तीन दिवसीय आजीविका सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित : 17 पशुपालकों को किया प्रशिक्षित।</u>

भाकृअनुप–भारतीय कषि अनुसंधान संस्थान, क्षेत्रीय केन्द्र, पालमपुर द्वारा आजीवीका सुरक्षा हेतु जनजातीय अति निर्धन किसानों/पशुपालकों को दिनांक 23.03.2023 से 25.03.2023 तक आजीविका सुरक्षा हेतु तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें तहसील भरमौर विकासखंड की तीन पंचायतों (खणी, चोबीया एवं पूलन) से 17 प्रतिभागियों ने भाग लिया। डा. गोरख मल, स्टेशन प्रभारी द्वारा कार्यक्रम का शुभारम्भ दिनांक 23.03.2023 को किया गया। उन्होंने संस्थान द्वारा चलाई जा रही जनजातीय जाति उप–योजना की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि यह उप–योजना वर्ष 2017 में प्रारम्भ हुई। इस योजना का मुख्य उद्देश्य अनुसूचित जाति के अति निर्धन परिवारों की आर्थिकी को सुदृढ करना है। भरमौर विकासखंड की 6 ग्राम पंचायतों में इस योजना के तहत 10 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जा चुके हैं जिसमें 265 पशुपालकों को 2017 से 2023 तक बकरी पालन हेतु प्रशिक्षित किया जा चुका है। स्टेशन प्रभारी ने बताया कि भरमौर ब्लॉक की ग्राम पंचायतों में जनजातीय उप–योजना के अंतर्गत आज तक 548 बकरे–बकरियों का आवंटन किया जा चुका हैं। प्रशिक्षण शिविर के दौरान हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों का भ्रमण किया एवं पशुपालकों को नवीन तकनीकों कि जानकारी उपलब्ध करवाई गयी।

जनजातीय उपयोजना प्रभारी डा. उमा शंकर पति, वरिष्ठ वैज्ञानिक द्वारा पशुओं में पायी जाने वाली सामान्य रोगों जैसे थनैला, खुरपका इत्यादि के बारे में पशुपालकों को अवगत करवाया एवं इनके समाधान हेतु उपयोग होने वाली दवाईयों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में डा. बीरबल सिंह, प्रधान वैज्ञानिक, डॉ. रिंकु शर्मा, वरिष्ठ वैज्ञानिक, डॉ. गौरी जैरथ, वैज्ञानिक, एवं डॉ. अजेयता रियालच, वैज्ञानिक द्वारा पशुपालकों को पशुओं के शारीरिक सुरक्षा एवं देखभाल के बारे में जानकारी दी गई। पशुपालन में महिलाओं की भूमिका के बारे में भी बताया गया। उपरोक्त प्रशिक्षण में विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा भाग लिया। उल्लेखनीय है कि जनजातीय उपयोजना के अलावा अनुसूचित जाति उपयोजना द्वारा अब तक कुल 132 परिवारों को 588 बकरियां और 132 बकरे आवंटित किए जा चुके है, यह उपयोजना कांगड़ा व हमीरपुर जिला में चलाई जा रही है।

संस्थान द्वारा चलाई जा रही जनजातीय एवं अनुसूचित जाति उपयोजनाओं से लाभान्वित परिवारों में से 70% किसानों की आय में दोगुनी बढ़ोत्तरी हुई है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में सहायता मिल रही है। आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण दिनांक 25.03.2023 को समापन हुआ। प्रशिक्षित प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रमाण पत्र आवंटित किये गए। अंत में श्री रोशन रणजीत सिंह, तकनीकी अधिकारी द्वारा उपस्थित सभी किसानों/पशुपालकों एवं प्रतिभागियों का केंद्र की ओर से धन्यवाद किया।